ರಾಜ್ಯ ಮಟ್ಟದ ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ. ಪೂರ್ವಸಿದ್ಧತಾ ಪರೀಕ್ಷೆ 2023–24

ವಿಷಯ : ತೃತೀಯ ಭಾಷೆ – ಹಿಂದಿ

KEY ANSWERS

प्र.सं	उत्तर	अंक
1	B. कम	1
2	D. कुतिया	1
3	A. गलियाँ	1
4	C. बिठाना	1
5	B. वृद्धि	1
6	D. तत्पुरुष	1
7	A. प्रश्नवाचक	1
8	C. की	1
9	झब्बेदार	1
10	व्यंग्य रचना	1
11	झबरू	1
12	चुगलखोर	1
13	रोज़ एक सेब खाने से डॉक्टर की जरूरत नहीं पडती ।	1
14	लेखक परसाई जी ने धूप का चश्मा टेबल पर रखा था ।	1
15	ईश का दिया हुआ अनुपम धन समय है ।	1

16	हंस का स्वभाव, पानी रुपी विकारों को छोडकर दूध रूपी अच्छे गुणों को अपनाना है ।	1
17	• किन्द्रू लालिम और किंचा लालिदाम ने हाथी, साँप, भैंस और मछली से मुलाकात की ।	2
18	धीरज सक्सेना के नाती-पोतों का होमवर्क कराने के लिए एवं वर्ड प्रोसेसर पर उनका काम सँभालने के लिए बुद्धिमान रोबोट की जरूरत थी ।	2
19	'कश्मीरी सेब' पाठ से बाजार में होनेवाली धोखेबाजी पर प्रकाश डालते हुए खरीदारी करते समय सावधानी बरतने का संदेश मिलता है ।	2
20	• जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में कहते हैं कि • जब तुम नमाज़ पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हो। • जिसमें दौलत, आयु, जाति या धर्म-पंथ का कोई भेदभाव नहीं होता ।	2
21	• बाल कृष्ण अपनी माता से शिकायत करता है कि • बलराम मुझे काला कहकर पुकारता है। • मुझे मोल लिया है ऐसा कहता है । • सब ग्वाल मित्र मेरे ऊपर चुटकी दे-देकर हँसते हैं। • बलराम ने उन्हें ऐसा करना सिखाया है ।	2
22	• समय अनमोल है । • इसे आलस में और बहाना बनाकर व्यर्थ नहीं करना चाहिए । • जो समय प्राप्त हुआ है उसमें अपना काम कर के समय का सदुपयोग करना चाहिए।	2
23	सौरमंडल के सब से बड़े ग्रह बृहस्पति के बाद शनि ग्रह की कक्षा है । शनि सौरमंडल का दूसरा बड़ा ग्रह है । अथवा शनि का निर्माण हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन और एमोनिया गैसों से हुआ है ।	2
24	• शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका ऐसे बताया गया है – • "सत्यं ब्रूयात्, प्रियं ब्रूयात्, न ब्रूयात् सत्यमप्रियम" । • अर्थात सच बोलो जो दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय स्त्य मत बोलो अथवा • अंत में मीना मैडम ने कहा, आज के बच्चे कल के नागरिक हैं । • आज से नहीं, अभी से ही आप इन कर्तव्यों का पालन करना शुरू करो । • इससे आपका हित तो होगा ही, देश का कल्याण भी होगा ।	2

25	• वर्मा जी के घर में अनेक पशु-पक्षी थे मगर गिल्लू के साथ उनका लगाव ज्यादा था। • वे उसे अपनी थाली के पास बिठाकर खाना खिलाती थी । • काम करते समय अपने मेज पर बिठा देती और काजू एवं बिस्कुट खाने के लिए देती। • गिल्लू भी कभी उनके मेज़ पर तो कभी कमरे में रखी सुराई पर लेटकर उनके पास ही रहना चाहता था । • लेखिका मोटर-दुर्घटना में आहत होकर अस्पताल में थी तब वह उदास रहता था और अपना प्रिय खाद्य काजू भी कम खाता था । • उनकी अस्वस्था में उनके सिरहाने बैठकर अपने नन्हें-नन्हें पंजों से उनके सिर और बालों को सहलाता रहता था । • गिल्लू के अंतिम दिनों में लेखिका हीटर जलाकर उसके प्राण बचाने का प्रयास करती हैं । • इस तरह गिल्लू और महादेवी वर्माजी एक-दूसरे से भावनात्म रूप से जूडे हुए थे ।	3
26	• पं.राजकिशोर के मानवीय गुण अनुसरणीय है, • क्योंकि बसंत की हालत सुनकर वे छलनी खरीदने के लिए तैयार हो जाते हैं। जब प्रताप के जरिए बसंत की दुर्घटना के बारे में सुनते हैं, तो मदद के लिए निकल पडते हैं । • डॉक्टर को भी लेकर आने के लिए अपने नौकर से कहते हैं । • बसंत को आगे की चिकित्सा के लिए अस्पताल ले जाने के लिए भी तैयार होते हैं ।	3
27	• वीडियो कान्फरेंस एक काल्पनिक सभागार है। • जिससे एक जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ ८-१० दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते हैं । • एक ही कमरे में बैठकर विभिन्न देशों में रहनेवाले लोगों के साथ विचार-विनिमय कर सकते हैं ।	3
28	• गाँव को साफ-सुथरा रखना । • गाँव में एक ही जगह पर कूडा डालना चाहिए। • गाँव में पेड़-पौधे लगाकर गाँव को हरा-भरा रखने से, • गाँव को एक नया जीवन प्रदान करके गाँव को आदर्श गाँव बनाया जा सकता है ।	3

29	• महिलाएँ भी साहस प्रदर्शन में पुरुषों से कुछ कम नहीं हैं। इस विचार का बछेंद्री पाल एक निदर्शन हैं। • अपने भाई की तरह वह भी बचपने से एवरेस्ट पर चढ़ने की तैयारी करने लगी। • उनको बचपन में रोज़ पाँच किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था। • उन्होंने पर्वातारोहण-प्रशिक्षण लेना भी प्रारंभ किया। • 'कालानाग' पर्वत की चढ़ाई की। सन् 1982 में उन्होंने 'गंगोत्री ग्लेशियर तथा 'रुड गेरो' पर्वत की चढ़ाई की जिससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ा। • अंत में अपने साहस गुण, दृढ निश्चय, अथक परिश्रम और मुसीबतों का सामना करते हुए एवरेस्ट की चोटी पर चढाई की। • इस तरह उन्होंने एवरेस्ट की चोटी पर चढ़नेवाली प्रथम भारतीय महिला होने का गौरव प्राप्त किया।	3
30	• मातृभूमि के एक हाथ में न्याय पताका है। • दूसरे हाथ में ज्ञान दीप है। • मातृभूमि के खेत हरे-भरे हैं और सुंदर हैं। • वन-उपवन फल-फूलों से भरे हुए हैं। • मातृभूमि के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है। • आज मातृभूमि के साथ कोटि-कोटि भारतवासी हैं। • सकल नगर और ग्राम में जय हिंद का नाद गूँज उठा है। • इस प्रकार 'मातृभुमि' कविता में भारत माँ का स्वरूप सुशोभित है।	3
31	• आज मानव ने प्रकृति के हर तत्व पर विजयी प्राप्त कर ली है। • मानव ने प्रकृति को अपने नियंत्रण में रखा है। • उसके हुक्म पर ही पवन का ताप चढता और उतरता है। • वह नदी, पर्वत,सागर, एक समान लाँघ सकता है। • उसका यान आकाश में जा रहा है। • वह परमाणु भी प्रयोग कर रहा है।	3
32	• प्रस्तुत पंक्तियों को तुलसीदास द्वारा रचित तुलसी के दोहे से लिया गया है। • प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास कहते हैं कि, जिस तरह देहरी पर दिया रखने से घर के भीतर तथा आँगन में प्रकाश फैलता है, • उसी प्रकार राम-नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुध्दि होती है।	3

33	ಬಾಲ್ಯದಲ್ಲಿ ಅಬ್ದುಲ ಕಲಾಮ ಅವರಿಗೆ ಮೂರು ಜನ ಒಳ್ಳೆಯ ಗೆಳೆಯರಿದ್ದರು. ರಾಮಾನಂದ ಶಾಸ್ತ್ರೀ, ಅರವಿಂದನ ಮತ್ತು ಶಿವಪ್ರಕಾಶ. ಈ ಮೂರು ಜನ ಬ್ರಾಹ್ಮಣರಾಗಿದ್ದರು. ರಾಮನಂದ ಶಾಸ್ತ್ರೀ ಅಂತೂ ರಾಮೇಶವ್ರಮ ಮಂದಿರದ ದೊಡ್ಡ ಪೂಜೇರಿ ಪಕ್ಷಿ ಲಕ್ಷ್ಮಣ ಶಾಸ್ತ್ರೀರವರ ಮಗನಾಗಿದ್ದನು.	3
34	• कर्नाटक की शिल्पकाला अनोखी है। • बादामी, ऐहोले, पट्टदकल्लु में जो मंदिर हैं, उनकी शिल्पकला और वास्तुकला अद्‌भुत है। • बेलूर, हलीबीडु, सोमनाथपुर के मंदिरों में पत्थर की जो मूर्तियाँ हैं सजीव लगती हैं। • ये सुंदर मूर्तियाँ हमें रामायण, महाभारत की कहानियाँ सुनाती हैं। • श्रवण्बेलगोल में 57 फूट ऊँची गोमटेश्वर की एक शिला प्रतिमा है, जो दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है। • विजयपुर की व्हिस्परिंग गैलरी वास्तुकला का अद्वितीय दृष्टांत है। • मैसूर का राजमहल कर्नाटक के वैभव का प्रतीक है। • प्राचीन सेंट फिलोमिना चर्च है। • जगनमोहन राजमहल (आर्ट गैलरी) का पुरातत्व वस्तु संग्रहाल अत्यंत आकर्षणीय है। अथवा • कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलायी है। • वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी सुधारक थे। • अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ जैसे अनेक संतों ने अपने वचनों द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है। • पुरंदरदास, कनकदास आदि भक्त कवियों ने भक्ति, नीति, सदाचार के गीत गाये हैं। • पंपा, रन्ना, पोन्ना, कुमारव्यास, हरिहर, राघवांक आदि ने महान काव्यों की रचना की है। • आधुनिक काल के साहित्यकार कुवेम्पु, द. रा. बेंद्रे, शिवराम कारंत, मास्ति वेंकटेश अय्यंगार, वि. कृ. गोकाक, यू. आर. अनंतमूर्ति, गिरीश कार्नाड और डॉ. चंद्रशेखर कंबार, ज्ञानपीठ पुरस्कार से अलंकृत हैं। • इन सारे साहित्यकारों ने मिलकर कन्नड भाषा तथा संस्कृति की श्रीवृद्धि की है।	4
35	असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो, क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो। जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम, संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम।	4

36	अ) कबीरदास जी का जन्म काशी में हुआ । आ) कबीरदास जी का जन्म ब्राह्मण परिवार में हुआ । इ)कबीरदास जी लाल-पालन नीमा और नीरू नामक जुलाह दंपती ने किया । ई)कबीर्दास जी समाज की कुरुतियों को दूर करने का प्रयास किया ।	4
37	क) <u>जनसंख्या विस्फोट</u> <u>प्रस्तावना :</u> जनसंख्या की समस्या सामान्य रूप से विश्व की समस्या है । इससे हर समस्या उत्पन्न होती है । भारत जनसंख्या की दृष्टि से चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। इस समय भारत की जनसंख्या 138 करोड़ से अधिक है । <u>जनसंख्या वृद्धि के कारण :</u> विज्ञान की उन्नति के साथ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की सुविधाओं में उन्नति के फलस्वरूप मत्यु दर कम और औसत आयु मे वृद्धि हुई है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार बच्चए भगवान की देन है समझकर परिवार नियोजन जैसे उपायों से दूर रहना । गरीबी, अशिक्षा और सरकार के उपायों का असफल होना आदि । <u>परिणाम :</u> देश की प्रगति कुंठित होती है, सरकार की योजनाएँ असफल हो जाती हैं, बेरोजगारी की समस्या बढ़ती है ।अपराधों की वृद्धि होती है, पर्यावरण प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है , बिमारियाँ फैलती हैं, महँगाई बढ़ती है आदि । <u>उपचार :</u> हमारी सरकार तथा संस्थाओं को चाहिए कि सभाओं, गोष्टियों, संचार-माध्यमों द्वारा छोटे परिवार से होनेवाले फायदों का प्रचार-प्रसार करें । <u>उपसंहार :</u> हमारे देश के विकास में जनसंख्या की वृद्धि एक बहुत बड़ी समस्या है । इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए देश का प्रत्येक नागरिक को इस समस्या को हल करने में सहयोग देना होगा । <u>ख) बेरोजगारी</u> <u>प्रस्तावना</u> : बेरोजगारी हमारे देश की एक कठिन समस्या है। बेरोजगारी एक आर्थिक और सामाजिक समस्या है। जिसके कारण देश की शांति और व्यवस्था को खतरा है और देश की प्रगति कुंठित हो रही है। बेरोजगार उस व्यक्ति को कहा जाता है जो कि बाजार में प्रचलित मजदूरी दर पर काम तो करना चाहता है। लेकिन उसे काम नहीं मिल पा रहा है। किसी पढ़े लिखे व्यक्ति को उसकी काबिलियत के हिसाब से नौकरी नहीं मिल रही है तो उसे बेरोजगार माना जाता है।	4

<u>बेरोजगारी के कारण :</u>

- बढ़ती हुई जनसंख्या
- दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली
- आधुनिक मशीनों का उपयोग
- उद्योग धंधों का अभाव
- लघु तथा कुटीर उद्योगों की अवनति

<u>बेरोजगारी के दुष्परिणाम :</u>

- बेरोजगारी के कारण निर्धनता में वृद्धि होती है।
- भुखमरी की समस्या उत्पन्न होते हैं। अपराधों में वृद्धि होती है।
- मानसिक अशांति होती है और कुछ लोग तंग आकर आत्महत्या कर लेते हैं। * देश की आर्थिक स्थिति कुंठित होती है।

<u>उपसंहार:</u> हमें निराश नहीं होना चाहिए। हमारे शिक्षा व्यवस्था में सुधार किया जा रहा है। अपने काम धंधे करने के लिए लोन दिया जा रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि हम आत्मविश्वास और दृढ़ता के साथ सहयोग करें और मिलजुलकर इस समस्या को हल करें।

ग) <u>इंटरनेट -एक वरदान</u>

<u>प्रस्तावाना</u> : आज का युग इंटरनेट युग है । बड़े बूढों से लेकर छोटे बच्चों तक इसका असर पड़ा है। इसकी वजह से पुरे विश्व का विस्तार एक गाँव सा हो गया है । इनसानी सोच का दायरा बड़ गया है ।

<u>अर्थ :</u> इंटरनेट अनगिनत कंप्युटरों के कई अंतरजालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है । इनसान के लिए खान-पान जितना ज़रूरी है, इंटरनेट भी उतना ही आवश्यक है ।

<u>लाभ :</u> जिवन के हर क्षेत्र में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है । इसके द्वारा पल भर में बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो, वीडियो चित्र हो दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकीन हो गया है इंटरनेट द्वारा हम घर बैटे-बैटे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं । इंटरनेट बैकिंग द्वारा दुनिया के किसी भी जगह चाहे जितनी रकम भेज सकते हैं । वीडियो कान्फरेन्स द्वारा विभिन्न देश के 8-10 प्रतोनिधियों के साथ एक साथ एक कमरे बैठकर विचार विनमय कर सकते हैं आई.टी. और आई. टी. ई. एस्. संस्थाओं से कई लोगों को रोजगार मिला है। ई- गवर्नेंस द्वारा प्रशासन पारदर्शी बन सकता है ।

<u>उपसंहार :</u> वैज्ञानिक आविष्कारों ने मानव-जीवन को सुविधाजनक बनाया है। इंटरनेट से मानव जीवनशैली और उसकी सोच में क्रातंतिकारी परिवर्तन हुआ है । जिवन के हर क्षेत्र में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है। इंटरनेट वरदान है तो अभिशाप भी है ।

38

प्रेषक, दिनांक : 28/02/2024

अ ब क
सरकारी माद्यमिक विद्यालय,
हुल्लोली ता: हुक्केरी
591305

पूज्य पिताजी,
सादर प्रणाम,

आपके आशिर्वाद से मैं यहाँ कुशल हूँ। आशा करता/ती हूँ आप भी कुशल होंगे। मेरी पढ़ाई भी अच्छी तरह से चल रही है। आपकी आज्ञानुसार मन लगाकार पढ़ाई में व्यस्थ रहता/ती हुँ। खेल-कूद या गपशप में ज्यादा समय गवाँ नहीं रहा/ही हूँ। उम्मिद दिलता/ती हूँ कि आगामी वार्षिक परीक्षा में अच्छे अंको साथ उत्तीर्ण हो जाऊँगा/गी। आपका आशिर्वाद सदा मुझ पर बना रहे। माता जी को मेरा प्रणाम और छोटे भाई को ढेर सारा प्यार।

आप का प्रिय पुत्र/पुत्री
अ ब क

सेवा में,
क ख ग
तीसरा क्रॉस, विद्यानगर
चिक्कोडी , 591201

अथवा

5

प्रेषक,

अ ब क
कक्षा दसवीं
सरकारी माद्यमिक विद्यालय,
हुल्लोली ता: हुक्केरी
591305

दिनांक : 28/02/2024

सेवा में,
कक्षा अध्यापक,
सरकारी माद्यमिक विद्यालय,
हुल्लोली ता: हुक्केरी
591305

महोदय,

विषय: तीन दिन की छुट्टी के लिए विनती पत्र ।

उपर्युकर विषय के संबंध में आप से निवेदन है कि हमारे घर में मेरी बड़े भाई की शादी दिनांक 01/03/2024 को होनेवाली है। इस शादी में भाग लेने के लिए मैं गाँव जाना चाहता हूँ। इसलिए आप मुझे दिनांक 29/02/2024 से 02/03/2024 तक तीन दिन की छुट्टी देने की कृपा करें।

धन्यवाद

स्थान : हुल्लोली

आपका/की आज्ञाकारी छात्र/छात्रा
अ ब क